RNI-NO.MPHIN/2015/64585

रणजीत टाइम्स

साप्ताहिक अख़बार

संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 11 अंक-22 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 02 जुलाई से 08 जुलाई 2024 पृष्ठ-8 मूल्य -2

हाथरस भगदड़ में 122 मौतें, योगी बोले-यह साजिश जैसा:लोग मरते गए, सेवादार भाग गए; हाईकोर्ट के रिटायर्ड जज जांच करेंगे

यूपी के हाथरस में भोले बाबा के सत्संग के बाद हुई भगदड़ में अब तक 122 लोगों की मौत हुई है। 4 जिलों हाथरस, अलीगढ़, एटा और आगरा में रातभर शवों का पोस्टमॉर्टम हुआ। परिजन अपनों की लाश को लेकर इधर-उधर भटकते रहे। प्रशासन ने अब तक 121 मौत की पुष्टि की है।

हादसा मंगलवार दोपहर 1 बजे फुलरई गांव में हुआ। बुधवार सुबह साढ़े 11 बजे सीएम योगी भी हाथरस पहुंचे। जिला अस्पताल में घायलों से मुलाकात की। घटनास्थल गए। अफसरों से पूरे हादसे की जानकारी ली।

प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- यह हादसा साजिश जैसा है। लोग मरते गए। सेवादार वहां से भाग गए। उन्होंने न तो प्रशासन को सूचना दी और न ही मदद की। प्रशासन की टीम जब पहुंची तो सेवादारों ने उन्हें आगे जाने नहीं दिया। हमने भी कुंभ जैसे बड़े आयोजन किए, लेकिन ऐसी चीजें नहीं हुईं।

सीएम ने कहा- जांच के लिए स्ढ्ढञ्ज का गठन किया है। हाईकोर्ट के रिटायर जज, पुलिस के सीनियर रिटायर ऑफिसर की टीम भी मामले की जांच करेगी, जो भी दोषी होगा, उसको सजा देंगे।

हाथरस हादसे में प्रशासन की पहली रिपोर्ट सामने आई। इसमें कहा गया है कि हादसा भोले बाबा के चरणों की धूल लेने की वजह से हुआ। बाबा के सेवादारों ने लोगों से धक्का-मुक्की की। इससे भगदड़ मच गई।

इधर, प्रयागराज के वकील गौरव द्विवेदी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में ?क्क्षरुदायर करके हादसे की ष्टक्क्ष जांच की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट में वकील विशाल तिवारी ने एक पीआईएल दाखिल की। इसमें रिटायर्ड जज की अध्यक्षता में 5 विशेषज्ञों की कमेटी बनाकर जांच की मांग की गई है।

मंगलवार देर रात हादसे में 22 लोगों के खिलाफ सिकंदराराऊ थाने के दरोगा ने स्नद्बक्रदर्ज कराई। इसमें मुख्य आयोजक देव प्रकाश मधुकर का नाम है। बाकी सब अज्ञात हैं। चौंकाने वाली बात है कि इसमें मुख्य आरोपी भोले बाबा उर्फ हरि नारायण साकार का नाम ही नहीं है। हादसे के बाद से बाबा अंडरग्राउंड हो गया। पुलिस रातभर उसकी तलाश में छापेमारी करती रही। मैनपुरी में बाबा के आश्रम में पहुंची, लेकिन वह नहीं मिला। मैनपुरी में आश्रम के बाहर पुलिस तैनात है।

ऐसे हुआ हादसा

सत्संग खत्म होने के बाद भोले बाबा निकले, तो चरण रज लेने के लिए महिलाएं टूट पड़ीं। भीड़ हटाने के लिए वॉलंटियर्स ने वाटर कैनन का उपयोग किया। बचने के लिए भीड़ इधर-उधर भागने लगी और भगदड़ मच गई। लोग एक-दूसरे को रौंदते हुए आगे बढ़ने लगे।

80 हजार की परमिशन, पहुंचे गए ढाई लाख

स्नद्बक्र के मुताबिक, प्रशासन ने सत्संग के लिए 80 हजार लोगों की अनुमति दी थी, लेकिन ढाई लाख लोग पहुंच गए थे। भगदड़ हुई तो सेवादार गेट पर खड़े हो गए। उन्होंने लोगों को रोक दिया। इसके बाद भीड़ खेतों में तरफ भीड़ मुड़ गई और नीचे बैठे और झुके श्रद्धालुओं को कुचलती हुई निकल गई। प्रशासन और सेवादार खड़े होकर देखते रहे।

टीएमसी ने अपने विधायक को भेजा कारण बताओ नोटिस, जोड़े को सरेआम कोड़े मारने का समर्थन करने का आरोप

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार को अपने चोपड़ा विधायक हमीदुल रहमान को राज्य में एक दंपति की सार्वजनिक पिटाई के समर्थन में बयान देने के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया। पिछले हफ्ते उत्तर दिनाजपुर जिले में हुई यह घटना कैमरे में कैद हो गई थी। वीडियो में एक व्यक्ति को सार्वजनिक रूप से एक जोड़े को कोड़े मारते हुए दिखाया गया था।

सत्तारूढ़ टीएमसी के एक वरिष्ठ नेता ने कहा, पार्टी ने रहमान को उनकी टिप्पणी के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया है। पार्टी इस घटना या उनके द्वारा की गई टिप्पणी का समर्थन नहीं करती है। वीडियो में दंपति को छड़ी से पीटते हुए दिख रहे व्यक्ति की पहचान तजमुल उर्फ जेसीबी के रूप में हुई है। आरोपी कथित तौर पर चोपड़ा का टीएमसी नेता है और रहमान का करीबी सहयोगी है।

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए रहमान ने सोमवार को कहा था, जोड़े के बीच कथित तौर पर अवैध संबंध थे, यही वजह है कि उन्हें कोड़े मारे गए। वे अपनी गतिविधियों के जरिए समाज को सामाजिक रूप से प्रदूषित कर रहे थे। उन्होंने कहा, महिला की गलती थी कि उसने बेटा और पति होने के बावजूद अवैध संबंध बनाए। क्या यह अपराध नहीं है? क्या यह अनैतिक कृत्य नहीं है?

हेमंत सोरेन फिर बनेंगे झारखंड के सीएम

आज ही मुख्यमंत्री चंपाई राज्यपाल को सौंपेंगे इस्तीफा; विधायकों को रांची में रहने के निर्देश

हेमंत सोरेन फिर झारखंड के सीएम होंगे। आज ही मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंपेंगे। इसके साथ ही हेमंत सोरेन शपथ ग्रहण के लिए राज्यपाल से समय मांगेंगे। राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन अभी चेन्नई में हैं। वे आज शाम 7 बजे तक रांची लौट सकते हैं।

इससे पहले रांची में सीएम हाउस में विधायक दल की बैठक हुई। इसमें ये फैसला लिया गया कि हेमंत सोरेन फिर से मुख्यमंत्री पद संभालेंगे। वहीं चंपाई सोरेन जेएमएम के कार्यकारी अध्यक्ष होंगे। सभी विधायकों सीएम आवास में ही रहने को कहा गया है। हालांकि, अभी भी इसकी आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन 5 दिन पहले जेल से रिहा हुए हैं। उनकी रिहाई के साथ ही झारखंड की राजनीति गरमा गई है। सीएम आवास पर आज इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। बैठक में जेएमएम-कांग्रेस और राजद के विधायक और मंत्री शामिल हुए।

सीएम चंपाई के सभी कार्यक्रम हुए स्थगित

मंगलवार से ही सीएम चंपाई सोरेन के कई कार्यक्रम स्थगित कर दिए गए हैं। इसके बाद झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन उनके मोरहाबादी स्थित आवास पर मिलने गए।

सूत्रों के मुताबिक दोनों के बीच लगभग आधे घंटे से अधिक समय तक बातचीत हुई है। इस मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने भी सीएम चंपाई सोरेन से मुलाकात की है।

पत्नी कल्पना भी सक्रिय हुईं

हेमंत सोरेन के जेल से आने के बाद से उनकी पत्नी कल्पना सोरेन भी पहले से अधिक सक्रिय हो गई हैं। कल्पना के साथ होने को राजनीतिक संकेत के रूप में भी देखा जा रहा है।

झारखंड में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। सियासी गलियारे में ये भी चर्चा है कि निर्वाचन आयोग समय से पहले ही चुनाव कराने के मूड में है। माना जा रहा है कि सितंबर में तारीखों की घोषणा हो सकती है और अक्टूबर में चुनाव होंगे। अगर इन अटकलों को सही माना जाए तो चुनाव से लगभग 3 महीने पहले हेमंत सोरेन जेल से बाहर आ गए हैं।

संपादकीय

देश में लागू हुआ नया कानून, घर बैठे ही दर्ज होगा मुकदमा

सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे।
नए तीनों कानून लागू हो गए। सरकार का कहना है कि इन कानूनों के जरिए न्याय सुनिश्चित होगा, पुराने कानूनों का बल दंड पर अधिक था। नए कानूनों से आधुनिक प्रणाली स्थापित होगी। इनमें अब घर बैठे प्राथमिकी दर्ज कराने, शून्य प्रथमिकी के तहत किसी भी थाने में शिकायत दर्ज कराने जैसी सहूलियतें दी गई हैं, जिससे लोगों का समय बचेगा और त्वरित कार्रवाई हो सकेगी।

प्राथमिकी दर्ज होने के बाद अदालतों को भी तय समय के भीतर फैसला सुनाने की बाध्यता होगी। बलात्कार, बाल यौन शोषण जैसे मामलों में जांच और सुनवाई संबंधी सख्त नियम बनाए गए हैं।

निस्संदेह, मामलों की जांच और सुनवाई में गति आएगी, तो लोगों को न्याय मिल सकेगा। मगर विपक्ष का कहना है कि इन कानूनों में कुछ ऐसी सख्त धाराएं बनाई गई हैं, जिनसे पुलिस को मनमानी का अधिकार मिलता और मानवाधिकारों के हनन का रास्ता खुलता है। खासकर आपराधिक कानूनों को लेकर व्यापक विरोध देखा जा रहा है। दरअसल, ये कानून विपक्ष की गैरमौजूदगी में और बिना किसी बहस के पारित हो गए थे, इसलिए इन पर विशद चर्चा नहीं हो पाई थी। इसलिए भी इनकी कई धाराओं को लेकर भ्रम और विवाद की गुंजाइश बनी हुई है।

सामाजिक बदलावों और जरूरतों के मुताबिक कानूनों में संशोधन और अप्रासंगिक हो चुके कानूनों को समाप्त करना जरूरी होता है। इस लिहाज से औपनिवेशिक काल से चले आ रहे कानूनों की समीक्षा और उनमें बदलाव जरूरी थे। हालांकि ऐसा भी नहीं कहा जा सकता कि सारे कानून ब्रिटिश राज के समय से जस के तस चले आ रहे थे। उनमें समय-समय पर बदलाव होते रहे हैं, जिन कानूनों की प्रासंगिकता नहीं रह गई थी, उन्हें समाप्त भी किया गया। मगर फिर भी बहुत सारे कानून बदली स्थितियों से मेल नहीं खाते थे।

पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह अपराधों की प्रकृति बदली और देश की अखंडता और संप्रभुता को चुनौती देने वाली गतिविधियां बढ़ी हैं, आतंकवादी संगठनों की सक्रियता बढ़ी है, उसमें कुछ सख्त कानूनों की जरूरत से इनकार नहीं किया जा सकता। मगर आपराधिक कानून बनाते समय यह ध्यान रखना भी जरूरी होता है कि उनका दुरुपयोग न होने पाए, उनके चलते सामान्य नागरिकों के मानवाधिकारों का हनन न हो। औपनिवेशिक समय के राजद्रोह कानून की जगह देशद्रोह कानून लाने की इसीलिए सबसे अधिक आलोचना हो रही है कि उससे लोगों में नागरिक अधिकारों के हनन का भय अधिक पैदा होता है।

हालांकि हर नए कानून के सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं पर चर्चा तो होती ही है, होनी भी चाहिए, मगर उन पर आम सहमति बने बिना लागू किए जाने से विवाद और नाहक भय का वातावरण बनता है। जब तक आम नागरिकों में इन कानूनों को लेकर भरोसा नहीं बनेगा, विरोध के स्वर उठते रहेंगे। जब ये कानून संसद में पारित हुए थे, तब उसके एक हिस्से को लेकर ट्रक चालकों ने देशव्यापी हड़ताल की थी। अब कई जगह खुद वकील इनके विरोध में उतरने वाले हैं। कुछ राज्यों ने इनके विरोध में आवाज उठानी शुरू कर दी है। संसद में विपक्ष तो हमलावर है ही। अगर सचमुच कुछ कानूनों की वजह से समाज में व्यवस्था के बजाय अव्यवस्था पैदा होती है, तो यह किसी भी तरह लोकतंत्र के लिए अच्छी बात नहीं होगी। सरकार को यह भरोसा दिलाना होगा कि ये कानून वास्तव में लोगों के लोकतांत्रिक और मानवीय अधिकारों की रक्षा करने वाले हैं।

संपादक-
गोपाल गावंडे

राजनीति

इतना मजाक, इतना अपमान, मैं इस कुर्सी पर बैठकर बहुत दुखी हूं..., राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने क्यों कही यह बात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण के दौरान विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ से कुछ कहने की अनुमति मांगी, लेकिन अनुमति नहीं दिए जाने पर पूरा विपक्ष संसद से बहिर्गमन कर गया.

राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष से कहा कि मैं दुखी हूं कि संविधान का इतना मजाक और अपमान हो रहा है. यह किताब हाथ में रखने के लिए नहीं जीने के लिए है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रपति के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर हुई चर्चा का जवाब दे रहे थे. उनके भाषण के बीच में ही कांग्रेस सहित पूरा विपक्ष सदन से बहिर्गमन कर गया.

विपक्ष के बहिर्गमन को अत्यंत दर्दनाक और पीड़ादायक करार देते हुए सभापति जगदीप धनखड़ ने कहा कि उन्होंने यह अनुरोध किया था कि नेता प्रतिपक्ष को चर्चा के दौरान बिना रोक-टोक, बोलने का सुअवसर दिया जाए. उन्होंने कहा कि भारत के संविधान के लिए इससे बड़ी अपमानित बात नहीं हो सकती. उन्होंने कहा कि यह उच्च सदन है और इसको देश का मार्गदर्शन करना होता है. जगदीप धनखड़ ने कहा कि वह विपक्षी सदस्यों के इस आचरण की भर्त्सना करते हैं. उन्होंने कहा कि विपक्ष के इस व्यवहार से देश के 140 करोड़ लोग आहत होंगे. उन्होंने कहा कि सदन में कल देर रात तक चर्चा चली और विपक्ष ने जब अपनी बात पूरी कह ली हो तो उसे सत्ता पक्ष की बात सुननी चाहिए.

सभापति ने कहा, %उन्होंने भारतीय संविधान को चुनौती दी है, उसकी भावना को आहत किया है. मैं इस कुर्सी पर बैठकर बहुत दुखी हूं कि संविधान का इतना मजाक, इतना अपमान... . भारत का संविधान हाथ में रखने की किताब नहीं है बल्कि जीने की किताब है.% उन्होंने विपक्ष को सलाह दी कि वह आत्मचिंतन करें, अपने दिल को टटोलें और अपने कर्तव्यों का पालन करें. प्रधानमंत्री मोदी जब चर्चा का जवाब दे रहे थे तो पहले विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति जगदीप धनखड़ से कुछ कहने की अनुमति मांगी. आसन की ओर से यह अनुमति नहीं दिए जाने पर विपक्षी सदस्य नारेबाजी करने लगे.

उनकी नारेबाजी के बीच भी जब प्रधानमंत्री ने अपना भाषण जारी रखा तब मल्लिकार्जुन खरगे सहित कांग्रेस एवं विपक्ष के सदस्य सदन से बहिर्गमन कर गए. विपक्षी सदस्य जब उच्च सदन की कार्यवाही का बहिष्कार कर जा रहे थे तब प्रधानमंत्री ने कहा, %देश देख रहा है कि झूठ फैलाने वालों की सत्य सुनने की ताकत भी नहीं होती. ...जिनके हौसले नहीं हैं ...उन्होंने जो सवाल उठाये उसके जवाब सुनने की हिम्मत नहीं है.%

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि विपक्ष उच्च सदन को अपमानित कर रहा है. उन्होंने कहा, %देश की जनता ने हर प्रकार से उन्हें इतना पराजित कर दिया है कि अब उनके पास गली-मोहल्ले में चीखने के सिवाय कुछ बचा नहीं है. नारेबाजी, हंगामा और भाग जाना... यही उनके नसीब में लिखा है. उन्होंने कहा, %आज वे (विपक्ष) सदन को छोड़कर नहीं गए हैं, मर्यादा छोड़कर गए हैं. आज उन्होंने मुझे पीठ नहीं दिखाई है, भारतीय संविधान को पीठ दिखाई है. उन्होंने आज मेरा और आपका अनादर नहीं किया है बल्कि उस शपथ का अनादर किया है जो संविधान के तहत ली गई है.%

शादी के नाम रेप किया, फिर कहा धर्म बदलो

तलाकशुदा इवेंटकर्मी हिंदूवादी नेताओं के साथ पुलिस के पास पहुंची

इंदौर में इवेंट कर्मचारी के साथ रेप और धर्म परिवर्तन का दबाव बनाने का मामला सामने आया है। खजराना पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

खजराना पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक आशू उर्फ समीर पुत्र करामत पटेल निवासी पटेल नगर ग्राम मस्जिद के खिलाफ रेप का केस दर्ज किया है। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने पहले शादी का झांसा देकर रेप किया। शादी बात की तो आरोपी ने कहा कि वह मुस्लिम है, इसलिए पहले धर्म बदलो फिर शादी करूंगा। पीड़िता ने इस बात से इनकार किया तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी।

पुलिस के मुताबिक पीड़िता 24 साल की है। उसका पति से 1 साल पहले तलाक हो चुका है। इसी दौरान वह खजराना इलाके में किराये के मकान में रहने पहुंची। वह इवेंट ऑर्गेनाइज करती है। काम के सिलसिले में करीब एक साल पहले उसका लाइट हाउस क्लब जाना हुआ।

यहां आशू से मुलाकात हुई। आशू ने अपना धर्म छिपाकर दोस्ती की। फिर वह पीड़िता के घर आने-जाने लगा। उसने तीन माह पहले संबंध बनाए और कहा कि जल्द ही शादी कर लेंगे। इस दौरान कई बार उसने रेप किया।

एक दिन शादी की बात निकली तो आशू ने कह दिया कि पहले धर्म परिवर्तन करना पड़ेगा। तुम्हें मुस्लिम धर्म अपनाना पड़ेगा। तब पूछताछ करने पर पता चला कि उसका पूरा नाम समीर पटेल है। इस बात को लेकर झगड़ा हुआ। पीड़िता ने मुस्लिम धर्म अपनाने से इनकार कर दिया। इस पर आशु ने मारपीट कर गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी।

29 जून को आशु पीड़िता से मिलने और झगड़ा किया फिर जबरदस्ती सबंध बनाए। 30 जून को ऐसा ही किया। मैंने पुलिस से शिकायत की बात कही तो बोला अकेले रहती हो तुम्हारी कोई नहीं सुनेगा। बदनामी भी होगी। बाद में हिंदूवादी नेताओं के साथ जाकर पुलिस से शिकायत की।

वाइन शॉप कैशियर से 4.15 लाख लूटे

अगले दिन उसी जगह से 500 मीटर दूरी पर पंडित का मोबाइल लूटा

इंदौर के छत्रीपुरा में एक ही जगह पर दो दिन में दो लूट की वारदातें हो गई। पहली लूट शराब दुकान के कैशियर के साथ हुई। जिसमें बदमाशों ने चाकू की नोक पर 4.15 लाख लूट कर ले गए। वहीं दूसरी लूट दोपहर में इसी घटनास्टल से 200 मीटर की दूरी पर हुई। यहां पंडित का भरी दोपहर में मोबाइल लूटकर ले गए। पंडित ने मामले में सीसीटीवी फुटेज पुलिस को सौंपे हैं। अब उस पर जांच की जा रही है। छत्रीपुरा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक लूट की वारदात ओमप्रकाश पुत्र तोताराम जायसवाल निवासी सुगंध रेसीडेंसी की शिकायत पर अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि ओमप्रकाश कालानी नगर में शराब दुकान पर कैशियर हैं। रविवार रात दुकान का कलेक्शन के 4.5 लाख रुपए सफेद थैली में रखकर बाइक से निकले थे। वह क्लाथ मार्केट अस्पताल रोड से रात करीब 12 बजे के लगभग निकल रहे थे। तब दो बदमाशों ने उन्हें रोका और चाकू दिखाकर बाइक से बैग लेकर माली मोहल्ले की तरफ फरार हो गए। डर के चलते वह पहले घर गए। यहां से मैनेजर हेमंत भालसे को जानकारी दी। सोमवार को उन्होंने मालिक अर्पित चौकसे को पूरी बात बताई। इसके बाद थाने आकर केस दर्ज कराया। पुलिस फुटेज के आधार पर आरोपियों की तलाश में जुट गई है। इधर पूरे मामले को संदिग्ध तरीके से भी देखा जा रहा है। अफसर जल्द ही खुलासे की बात कह रहे हैं।

500 मीटर की दूरी पर लूटा मोबाइल

इसी थाना इलाके में सोमवार दोपहर करीब 3.30 बजे के लगभग बदमाशों ने मधुकांत व्यास का मोबाइल लूट लिया। वह दोपहर में अपने घर की तरफ जा रहे थे। रास्ते में उन्हें कॉल आया वह रुके तो बदमाशों ने हाथ से मोबाइल लूटा और फरार हो गए। वह मामले की जानकारी देने थाने पहुंचे। पहले पुलिस ने आवेदन देने की बात की। तब मधुकांत व्यास से खुद सीसीटीवी फुटेज निकाले और पुलिस को सौंपे। इसके बाद मंगलवार को पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

कलेक्शन एजेंट ने की छेड़छाड़

महिला को अकेले देखकर घर में घुसा, वीडियो बनाने पर मोबाइल छीनकर फेंका

इंदौर के बाणगंगा इलाके में एक महिला से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। महिला घर पर अकेली थी। तब आरोपी लोन की किश्त लेने पहुंचा और उसने महिला को घर पर अकेले देखकर हरकत कर दी। पुलिस ने इस मामले में आरोपी पर कार्रवाई की है।

बाणगंगा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक 24 साल की शादीशुदा महिला की शिकायत पर धर्मेन्द्र निवासी स्कीम नंबर 78 विजयनगर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। महिला ने अपनी शिकायत में बताया कि वह सिलाई का काम करती है। सोमवार को घर पर अकेली थी।

इस दौरान धर्मेन्द्र घर पर आया। मैंने उससे कहा कि घर पर कोई नहीं है। तब धर्मेंद्र ने कहा कि सास ने लोन लिया है और उसकी किश्तें नहीं भरी है। महिला ने कहा कि वह पति को जानकारी दे देगी। इसके बाद आरोपी अंदर घुसा और महिला से अश्लील हरकत करने लगा।

महिला ने अपने मोबाइल से धर्मेन्द्र का वीडियो बनाने की कोशिश की तो आरोपी ने उसका मोबाइल छीन लिया। इस मामले में पुलिस से आरोपी पर केस दर्ज किया है।

युगपुरुष धाम आश्रम में 30 बच्चों की तबीयत बिगड़ी, 5 की मौत; डॉक्टर बोले- खून की कमी

इंदौर के पंचकुइया स्थित युगपुरुष धाम आश्रम में 5 बच्चों की मौत हो गई, जबकि 30 को अस्पताल में भर्ती कराया है। इनमें भी 10 की हालत गंभीर है। मौत की वजह फूड पॉइजनिंग और एनीमिया बताया जा रहा है। खून में इन्फेक्शन, डिहाइड्रेशन की भी आशंका है। कलेक्टर ने जांच के आदेश दिए हैं।

बताया जा रहा है कि बच्चों की शनिवार से ही तबीयत बिगड़ रही थी, पर सोमवार को बहुत सारे बच्चे प्रभावित हुए तो मामला सामने आया। सेवादारों का कहना है कि सबसे पहले आश्रम में एक बच्चे को इंफेक्शन हुआ था, पर वह स्वस्थ हो गया। इसके बाद अन्य बच्चों की हालत बिगड़ने लगी। प्राचार्य अनिता शर्मा के अनुसार, बच्चों ने एक दिन पहले खिचड़ी खाई थी, तब सबकुछ सामान्य था। बाद में तबीयत बिगड़ी।

दो बच्चों का पोस्टमॉर्टम करने वाले जिला अस्पताल के डॉ. भरत वाजपेयी के अनुसार, बच्चों में खून की कमी थी। वे बहुत दुबले-पतले थे। बच्चों को कोई घोषित बीमारी नहीं थी। अंदरूनी चोट भी नहीं मिली है।

बस कंडक्टर ने ट्रांसपोर्ट मैनेजर को पीटा

बंधक बनाकर ऑटो में बैठाया, मैनेजर ने कूदकर बचाई जान

इंदौर के नवलखा से बदमाशों ने सोमवार रात एक ट्रेवल्स मैनेजर का अपहरण कर लिया। एक बस कंडक्टर ने अपने साथियों के साथ मैनेजर को मारपीट कर रिक्शा में जबरदस्ती बैठाया और अपने गांव चापड़ा ले जाने लगा। आरोपियों ने रास्ते भर मैनेजर से मारपीट की।मैनेजर बचकर दूधिया के यहां चलती रिक्शा से कूद गया। इससे वह घायल होकर बेहोश हो गया। आरोपी उसे छोड़कर वहां से भाग गए। इधर, राहगीरों ने उसे एम्बुलेंस से अस्पताल भेजा। मंगलवार सुबह संयोगितागंज पुलिस को जानकारी दी गई है।घटना नवलखा इंदिरा कॉम्प्लेक्स के यादव ट्रेवल्स के मैनेजर सुनील पुत्र छगोरीलाल गुप्ता निवासी आजाद नगर के साथ हुई। आरोपी ईश्वर जाट और उसके साथियों ने सुनील को सोमवार रात करीब 9.30 बजे मारपीट कर रिक्शा में डाला और अपने साथ नेमावर रोड तरफ ले गए। यहां रास्तेभर आरोपियों ने उसके सुनील गुप्ता के साथ मारपीट की। सुनील ने बताया कि ईश्वर वहीं बस कंडक्टर का काम करता है। बस समय पर निकालने को लेकर एक-दो बार उससे कहासुनी हुई थी। संयोगितागंज पुलिस ने सूचना के बाद अब इस मामले में जांच शुरू की है।

आपको संभालनी होगी निर्विकल्प अवस्था

परम पूज्य माताजी
श्री निर्मला देवी
10 मार्च 1985

यह आप सब लोगों के लिए एक अच्छी खबर है, जो मुझे अवश्य बतानी चाहिए। वह यह है: अब मैं महसूस करती हूँ कि आप सब एक ऐसी अवस्था में हैं, जिसमें मैं जब भी कुछ कहती हूँ, यह आपके ऊपर कार्य करता है।

आप उच्चतर अवस्था तक उन्नत हो चुके हैं। अगर मैं किसी ऐसे उच्चतर विषय के बारे में बात कर रही होती हूँ, तो यह घटित हो जाती है। बेशक, अभी-अभी यह आपके साथ घटित हुआ है, लेकिन आप तब भी कभी-कभी दोबारा से नीचे आ जाते हैं। अतः आपको केवल अपने आप को संभालना है, और यही काम आपको करना है। अभी इस समय, यह वही अवस्था है **जिसमें आप बैठे हुए हैं, इसमें कोई संदेह नहीं है।**

(परमात्मा का साम्राज्य - निर्विकल्प)

यह एक अच्छी बात है। मैं ऐसा उन लोगों के साथ नहीं कर सकती हूँ, जो आत्मसाक्षात्कारी नहीं हैं या जिन्होंने अभी-अभी आत्मसाक्षात्कार लिया है।

लेकिन आप जैसे स्तर वाले लोगों के साथ, मैं इसे कर सकती हूँ और कइयों ने इसे उसी तरह से अवश्य अनुभव किया है कि हम वहाँ उस स्थिति में हैं, पूरी तरह से वहाँ हैं। लेकिन पुनः यह स्थिति नीचे आ जाती है। अतः उस बिंदु पर आप सावधान रहें। अतः यह एक गंभीर बात नहीं है। यह एक अत्यंत प्रसन्नता देने वाली बात है, और खुशी है कि हम सब इसे कर सकते हैं। यह बहुत महान है।

आप नहीं जानते हैं कि जो कुछ भी हम पहले कर चुके हैं, वह बहुत महान कार्य है, और हमें महानतम से भी महानतम काम करने होंगे और यही सब अत्यंत उत्साहवर्धक है।

ऐसे रखें मलाई का ख्याल

दूध से मलाई निकालना और उससे घी बनाना हर महिला का शगल होता है। इसका मकसद बाजार के मिलावटी घी से बचना और घर में तैयार एकदम शुद्ध देसी घी अपने परिवार को खिलाना होता है। इसके लिए महिलाएं काफी मशक्कत करती हैं और दूध की मलाई को कई दिन तक संभालकर रखती हैं। अक्सर देखा जाता है कि जब यह मलाई सही तरीके से नहीं रखी जाती है तो उसमें से बेहद खराब बदबू आने लगती है। कई बार तो मलाई में फंगस लग जाती है और वह खराब भी हो जाती है। आइए आपको ऐसे होम टिप्स बताते हैं, जिनकी मदद से मलाई को लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है और उसमें से बदबू भी नहीं आएगी।

ऐसे भी मलाई को कर सकते हैं स्टोर

मलाई को जब भी फ्रिज में रखें तो उसे फ्रीजर में रखना चाहिए। इसके लिए ऐसा डिब्बा इस्तेमाल करें, जो पूरी तरह एयर टाइट हो। इससे मलाई में बाहर की हवा नहीं लगेगी और वह जमी रहेगी। यह बात भी ध्यान रखें कि मलाई को फ्रिज से बार-बार बाहर नहीं निकलना चाहिए। अगर आप फेस पैक आदि बनाने के लिए मलाई यूज करना चाहती हैं,तो एकदम सूखी और साफ चम्मच ही इस्तेमाल करें।

मलाई को खट्टेपन से बचाने के लिए उसमें रोजाना थोड़ा दूध और नई मलाई डालनी चाहिए। साथ ही, इसे चम्मच से मिक्स कर देना चाहिए, जिससे मलाई खराब नहीं होगी।

बर्तन की वजह से भी खराब होती है मलाई

आपको यह ध्यान रखना जरूरी है कि मलाई के खराब होने की वजह बर्तन भी हो सकता है। अगर आप एल्युमीनियम के बर्तन में मलाई रखती हैं,तो वह खराब हो सकती है। मलाई स्टोर करने के लिए मिट्टी, कांच या स्टील का बर्तन इस्तेमाल करना चाहिए। इनमें भी मिट्टी का बर्तन सबसे अच्छा होता है, क्योंकि इसमें मलाई ठंडी रहती है। आप यह बात जरूर ध्यान रखें कि बर्तन अच्छी तरह साफ होना चाहिए, वरना मलाई में खट्टापन आ सकता है।

इस तरह खट्टी नहीं होगी मलाई

महिलाएं जब भी मलाई स्टोर करती हैं,तो उसे कि में ही एक साइड रख देती हैं। गर्म जगह पर रखने वजह से मलाई में खट्टापन जल्दी आ जाता है, जि

उसके खराब होने का खतरा भी बढ़ जात है। ऐसे में आप जब भी मलाई स्टोर करें तो उसे ठंडी जगह पर रखें। अगर आपके घर में फ्रिज है,तो मलाई को फ्रिज में रखें। इससे वह खट्टी नहीं होगी और फंगस भी नहीं लगेगी।

कल्कि 2898 AD हिंदी में की तेलुगू से ज्यादा कमाई, अजय देवगन की शैतान से आगे निकलने को तैयार

पहले वीकेंड में जहां प्रभास को उनके तेलुगू फैनडम का फायदा मिला और कल्कि 2898 AD ने धुआंधार शुरुआत की. वहीं संडे से ही फिल्म का हिंदी वर्जन, तेलुगू वर्जन से ज्यादा कमाई कर रहा है. साउथ में पॉपुलर चेहरा रहे प्रभास को हिंदी ऑडियंस से ऐसा प्यार मिलना बताता है कि नॉर्थ में भी, उनका क्रेज बहुत तगड़ा है.

पैन इंडिया स्टार प्रभास की फिल्म कल्कि 2898 AD का थिएटर्स में भौकाल लगातार बरकरार है. ओपनिंग वीकेंड में ही बॉक्स ऑफिस को हिलाकर रख देने वाली ये फिल्म हफ्ते के बीच में भी बहुत तेजी से कमाई कर रही है।

प्रभास के साथ अमिताभ बच्चन, दीपिका पादुकोण और कमल हासन जैसे दमदार कलाकारों को एकसाथ लेकर आई कल्कि 2898 AD को बहुत पॉजिटिव रिव्यूज मिले. फिल्म के लिए जनता का वर्ड ऑफ माउथ भी बहुत पॉजिटिव है, जिसकी वजह से वर्किंग डेज में भी इसका क्रेज दमदार बना हुआ है.

पहले वीकेंड में जहां प्रभास को उनके तेलुगू फैनडम का फायदा मिला और कल्कि 2898 AD ने धुआंधार शुरुआत की. वहीं संडे से ही फिल्म का हिंदी वर्जन, तेलुगू वर्जन से ज्यादा कमाई कर रहा है।

कल्कि 2898 AD के लिए क्रेजी हिंदी दर्शक

गुरुवार को रिलीज हुई प्रभास की फिल्म ने पहले 3 दिन तेलुगू में 128.9 करोड़ रुपये कमाए. जबकि इन्हीं 3 दिनों में हिंदी वर्जन का नेट कलेक्शन 71.5 करोड़ रहा. संडे को हिंदी वर्जन ने 40 करोड़ के कलेक्शन के साथ, तेलुगू के 38.8 करोड़ को पीछे छोड़ा. तभी से कल्कि 2898 AD का हिंदी वर्जन लगातार हिंदी में भौकाल बनाए हुए है।

सोमवार को तेलुगू वर्जन से फिल्म ने 14.5 करोड़ कमाए तो हिंदी कलेक्शन 16.5 करोड़ रहा. अब सैकनिल्क का अनुमान कहता है कि मंगलवार को कल्कि 2898 AD ने 13.7 करोड़ का कलेक्शन किया है, जबकि इसी दिन तेलुगू का कलेक्शन 10.6 करोड़ है. यानी बीते तीन दिन में कल्कि 2898 AD ने तेलुगू में 63.9 करोड़ और हिंदी में 70.2 करोड़ कमा लिए हैं।

अब 6 दिन बाद कल्कि 2898 ADका टोटल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 370 करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है, जिसमें से हिंदी वर्जन का कलेक्शन 141 करोड़ रुपये से ज्यादा है. मुख्य रूप से साउथ की फिल्मों का चेहरा रहे प्रभास, को हिंदी ऑडियंस से इस तरह का प्यार मिलना बताता है कि साउथ हो या नॉर्थ, उनका क्रे ज जनता में बहुत तगड़ा है।

अजय की फिल्म को पार करने के लिए तैयार कल्कि 2898 AD

प्रभास की फिल्म हिंदी में 141.7 करोड़ रुपये से ज्यादा कमा चुकी है. रिलीज के 7वें दिन, बुधवार को अगर इसकी कमाई बहुत भी गिरी, फिर भी कम से कम डबल डिजिट में तो रहेगी ही. यानी 7 दिन में कल्कि 2898 AD का हिंदी कलेक्शन बड़े आराम से 150 करोड़ पार कर जाएगा।

मात्र एक हफ्ते की कमाई से ही प्रभास की फिल्म, अजय देवगन की हिट शैतान को पीछे छोड़ने जा रही है. 2024 की दूसरी सबसे बड़ी बॉलीवुड हिट, शैतान ने 149.9 करोड़ का कलेक्शन किया था. अब इसे पीछे छोड़कर कल्कि 2898 AD साल की दूसरी सबसे बड़ी हिंदी हिट बनने जा रही है। ऋतिक रोशन की फाइटर अभी भी 2024 की सबसे कमाऊ हिंदी फिल्म है, जिसने कुल 213 करोड़ का नेट कलेक्शन किया था. लेकिन दो हफ्ते में ही कल्कि 2898 AD इससे काफी आगे नजर आएगी।

टीम इंडिया का होगा ग्रैंड वेलकम, पीएम मोदी देंगे सम्मान, दिल्ली से मुंबई तक जश्न

टी20 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया ने बारबडोस में जमकर जश्न मनाया. लेकिन फैंस वर्ल्ड चैंपियंस के भारत लौटने का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे. चक्रवात बेरिल के चलते भारतीय टीम फंसी हुई है. लेकिन अब चैंपियंस के बारबडोस से रवाना होने के बाद भारत उनका ग्रैंड वेलकम करने के लिए तैयार है. पूरा शेड्यूल बीसीसीआई के उपाध्यक्ष ने बता दिया है.

टी20 वर्ल्ड कप में चैंपियन बनने के बाद टीम इंडिया ने बारबडोस में जमकर जश्न मनाया. लेकिन फैंस वर्ल्ड चैंपियंस के भारत लौटने का इंतजार बेसब्री से कर रहे थे. चक्रवात बेरिल के चलते भारतीय टीम बारबडोस में फंसी हुई है. लेकिन अब चैंपियंस के रवाना होने के बाद भारत उनका ग्रैंड वेलकम करने के लिए तैयार है. पीएम मोदी प्लेयर्स को सम्मानित करेंगे. पूरा शेड्यूल बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने बता दिया है.

4 जुलाई को पीएम मोदी देंगे सम्मान

रोहित शर्मा एंड कंपनी और टीम के सहयोगी स्टाफ को गुरुवार (4 जुलाई) सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा एक निजी समारोह में सम्मानित किया जाएगा. 29 जून को फाइनल मुकाबले में खिताबी जीत के बाद भारतीट टीम बारबडोस में लगभग तीन दिनों से फंसी थी. लेकिन अब भारतीय समयानुसार 4.50 बजे भारतीय खिलड़ी अपने परिवार, कोचिंग स्टाफ और बीसीसीआई अधिकारी समेत बारबडोस से उड़ान भर चुके हैं. टीम इंडिया के लिए बीसीसीआई ने चार्टर प्लेन की व्यवस्था की थी.

मुंबई में होगी बस परेड

बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने टीम इंडिया के स्वागत का पूरा शेड्यूल बताया. उन्होंने कहा, %टीम बीसीसीआई द्वारा लाए गए स्पेशल एयर इंडिया के विशेष विमान से बारबाडोस से रवाना हुई है. वहां (बारबाडोस) फंसे भारतीय पत्रकार भी उसी विमान से आ रहे हैं. विमान कल सुबह 6 बजे दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरेगा. टीम सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री मोदी से प्रधानमंत्री आवास पर मुलाकात करेगी. इसके बाद टीम मुंबई के लिए उड़ान भरेगी. नरीमन पॉइंट से रोड शो होगा और बाद में हम खिलाड़ियों को सम्मानित करेंगे.

Jio Cinema या Disney+ Hotstar नहीं, भारत और जिम्बाब्वे के बीच इस ऐप पर देख पाएंगे T20 मैच

भारत और जिम्बाब्वे के बीच 6 जुलाई से 14 जुलाई के बीच आयोजित T20 सीरीज का आयोजन किया जा रहा है। 5 मैचों की यह सीरीज Jio Cinema और Disney+ Hotstar पर नहीं किसी और ऐप पर लाइव स्ट्रीम की जाएगी।

भारत और जिम्बाब्वे के बीच 6 जुलाई से द्विपक्षी T20 सीरीज खेली जाएगी। इस सीरीज में कुल 5 मुकाबले खेले जाएंगे। पिछले महीने आयोजित हुए T20 वर्ल्ड कप का प्रसारण Disney+ Hotstar पर किया गया था। वहीं, भारत में खेले जाने वाले सभी मैच Jio Cinema ऐप पर लाइव स्ट्रीम किया जाता है। हालांकि, भारत और जिम्बाब्वे के बीच यह सीरीज जिम्बाब्वे में खेली जाएगी, जिसके प्रसारण का अधिकार Disney+ Hotstar और Jio Cinema के पास नहीं है। हालांकि, भारतीय दर्शक इस सीरीज के सभी मैच नए लोकप्रिय ऐप पर देख सकेंगे।

Ind Vs Zim के इन 5 T20 सीरीज के प्रसारण का अधिकार Sony Sports Network पर है। ऐसे में क्रिकेट फैंस भारत और जिम्बाब्वे के बीच होने वाली यह सीरीज Sony LIV ऐप पर देख सकेंगे। दोनों देशों के बीच यह टी-20 सीरीज 6 जुलाई से लेकर 14 जुलाई के बीच खेली जाएगी। इसमें शुभमन गिल की कप्तानी वाली नई टीम इंडिया भाग लेगी। वहीं, पिछले महीने आयोजित हुई T20 वर्ल्ड कप ने भारतीय टीम ने 17 साल बाद दोबारा खिताब अपने नाम किया है। इस टीम के कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और रविन्द्र जडेजा ने अपने टी-20 अंतराष्ट्रीय करियर से सन्यास ले लिया है।

RESIDENTIAL PLOTS
FOR SALE

तुरन्त रजिस्ट्री। तुरन्त पजेशन

PLOT SIZE:-
12*50 = 600, SQFT
15*40= 600SQFT
15*50= 750SQFT
20*50= 1000 SQFT

1111/- SQFT

Book an appointment now:
8889066688, 9109639404

WWW.GATEWAYGHAR.IN

कान्ह नदी के व्यपवर्तन के कार्य समय सीमा में पूर्ण हों

क्षिप्रा नदी हर हाल में हो प्रदूषण मुक्त

योजना के कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण करें - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समत्व भवन मुख्यमंत्री निवास में बैठक में सिंहस्थ - 2028 के लिए प्रस्तावित कार्य योजना के अंतर्गत क्षिप्रा नदी को प्रदूषणमुक्त बनाने की योजना के संबंध में वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कान्ह नदी के व्यपवर्तन, कान्ह नदी पर 11 बैराजों के निर्माण, सिंहस्थ के लिए क्षिप्रा नदी में निरंतर जल प्रवाह योजना और क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित 18 बैराजों के निर्माण और क्षिप्रा नदी पर स्नान आदि के बेहतर प्रबंध के लिए घाटों के निर्माण तथा विकास के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कार्यों को समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए। यह भी ध्यान रखा जाए कि निर्माण कार्य चलने से स्थानीय निवासियों को कोई असुविधा न हो। बैठक में पॉवर प्वाइंट प्रेजेंटेशन से कार्यों की प्रगति का विवरण दिया गया। इसके अंतर्गत क्षिप्रा नदी पर प्रस्तावित संरचनाओं, प्रस्तावित बैराजों के निर्माण तथा आवश्यक घाटों के निर्माण से संबंधित जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घाटों के निर्माण में ऐसे पत्थर एवं सामग्री का उपयोग करने के निर्देश दिए जो दीर्घकाल तक उपयोगी हों।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, मुख्य सचिव श्रीमती वीरा राणा, अपर मुख्य सचिव, मुख्यमंत्री कार्यालय एवं जल संसाधन, नर्मदा घाटी विकास विभाग डॉ. राजेश राजौरा, मुख्यमंत्री कार्यालय के प्रमुख सचिव श्री संजय कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य- मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री ने लोकपथ मोबाइल ऐप किया लॉंच

सात दिन में होगा सड़कों में सुधार - अधिकारी होंगे जवाबदार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सभी विभागों को जनता के प्रति अधिक से अधिक जवाबदेह बनाना हमारा लक्ष्य है। जनता के प्रति अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह कार्य प्रणाली को अपनाते हुए लोक कल्याण के पथ पर निरंतर अग्रसर रहने की दृष्टि से लोक निर्माण विभाग द्वारा तैयार लोकपथ मोबाइल ऐप का लोकार्पण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विधानसभा भवन स्थित मीडिया सेंटर में मोबाइल ऐप-लोक पथ के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह उपस्थित थे।

जन-जन तक पहुंचाएं ऐप की जानकारी

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश की 40 हजार किलोमीटर लंबी सड़कों में आवश्यकतानुसार ऐप से त्वरित रूप से सुधार संभव होगा। विभाग के लिए 7 दिन में सुधार करना चुनौती पूर्ण और साहस का कार्य है। यह विश्वास है कि विभाग नवीनतम तकनीक का उपयोग करते हुए इस नवाचार को सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सफल होगा। यद्यपि अधिक वर्षा, जल भराव और भारी वाहनों के अधिक आवागमन से सड़कों का क्षतिग्रस्त होना स्वाभाविक है, परंतु विभाग का यह प्रयास होना चाहिए कि सड़कों में गड्ढे हो ही नहीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मीडिया के साथियों से इस ऐप की जानकारी जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। लोकपथ मोबाइल ऐप सड़क सूचना एवं प्रबंधन प्रणाली के सशक्तिकरण के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।

मोबाइल ऐप से आमजन को मार्गों की समस्या बताने की सुविधा मिलेगी और अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित होगी। लोकपथ मोबाइल ऐप मध्य प्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक विकास निगम लिमिटेड द्वारा तैयार किया गया है। लोकपथ मोबाइल ऐप को लोक निर्माण विभाग की वेबसाइट 222.mppwd.gov.in पर जाकर डाउनलोड कर इंस्टॉल किया जा सकता है। मोबाइल फोन में ऐप को खोलकर ऐप में रजिस्टर्ड सड़कों के पॉट होल / पेच का फोटो लेकर डालने पर शिकायत निराकरण के लिए सीधे संबंधित अधिकारी को पहुंच जाएगी। अधिकारी द्वारा सात दिवस की समय सीमा में इस पॉट होल/पेच का सुधार कार्य कर ऐप से निराकरण दर्ज किया जाएगा, जिसकी सूचना मोबाइल पर शिकायतकर्ता को प्राप्त हो जाएगी।

दो चरणों में लागू होगी योजना

लोक निर्माण विभाग के अधीन प्रदेश के समस्त मरम्मत योग्य राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य मार्ग, मुख्य जिला एवं अन्य जिला व ग्रामीण मार्ग सम्मिलित रहेंगे। यह योजना दो चरणों में लागू की जाएगी। प्रथम चरण मंगलवार 2 जुलाई से आरंभ किया जा रहा है। इसमें राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य राजमार्ग और मुख्य जिला मार्ग शामिल रहेंगे। द्वितीय चरण में प्रथम चरण में सम्मिलित मार्गों के साथ शेष अन्य जिला एवं ग्रामीण मार्गों को शामिल किया जाएगा।

भारत वर्ल्डकप फाइनल जीता, इंदौर में जश्न

राजवाड़ा पर आतिशबाजी, मिठाइयां बंटी, मंत्री विजयवर्गीय भी शामिल हुए

भारत ने वर्ल्डकप फाइनल जीतकर दुनिया में सिरमौर बन गया है। भारत के 176 रनों का टारगेट दक्षिण अफ्रीका पूरा नहीं कर सकी और धराशायी हो गई। टीम इंडिया के बल्लेबाज विराट कोहली और गेंदबाजों के जोरदार प्रदर्शन से भारत विजेता बन गया। भारत के विजयी होते ही शहर में जश्न शुरू हो गया। राजवाड़ा की स्थिति ऐसी रही कि शहर के हिस्सों से वहां लोग पहुंचने लगे और हर ओर का रोड जाम हो गए। इससे घंटों तक लोग फंसे रहे। अधिकांश तो राजवाड़ा पहुंच ही नहीं सके।

देर रात मंत्री कैलाश विजयवर्गीय राजवाड़ा पहुंचे और गाडी खड़े होकर काफी देर तक तिरंगा लहराते रहे और लोगों का उत्साहवर्धन किया। फिर कुछ देर बाद वाहन की छत पर ही बैठे और लोगों के साथ खुशियां बांटी। उनके पीछे पुत्र पूर्व ?विधायक आकाश विजयवर्गीय भी एक कार की छत पर सवार होकर तिरंगा लहराते रहे।

पूर्वी शहर में बंगाली कॉलोनी चौराहा, कनाड़िया पत्रकार चौराहा, पलासिया, रीगल तक युवाओं के समूह ढोल लेकर नाचते गाते रहे। वहीं पश्चिम क्षेत्र में बड़ा गणपति पर लोग जुटे। आतिशबाजी हुई। एयरपोर्ट रोड, कलानी नगर, संगम नगर सहित कई इलाकों में पटाखे फोड़े गए।

कॉलोनियों, मोहल्लों और सड़कों पर धूम शुरू हो गई। इस दौरान जमकर पटाखे फूटे, मिठाइयां बंटी। मुख्य सड़कों और राजवाड़ा पर युवाओं का समूह निकल पड़ा। राजवाड़ा पर तो पैर रखने तक की जगह नहीं थी। लोग ने खूब डांस किया और तिरंगा लहराकर जश्न में डूबे रहे।

भारत की जीत के साथ ही चाणक्यपुरी और अन्नपूर्णा मंदिर के सामने 10 मिनट तक आतिशबाजी हुई। इसके बाद रैली के रूप में लोग राजवाड़ा पहुंचे। कई लोग तो अलग-

अलग टोलियों के रूप में जश्न मना रहे थे। कोई ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार होकर निकला तो कोई अपनी कार और दोपहिया वाहन से जीत के जुनून में डूबा था।बीआरटीएस पर भंवरकुआं चौराहे से लेकर विजय नगर, देवास नाके तक रात साढ़े 12 बजे वाहनों का ऐसा नजारा था जैसे शाम को होता है। सभी के अंदर जीत का उत्साह था। यह क्षेत्र 24 घंटे खुला रहने के कारण यहां तो रात 3 बजे तक जश्न मनता रहा। राजवाड़ा सहित कई क्षेत्रों में जश्न में डूबे लोगों को पुलिस ने समझाइश देकर घर भेजा।

पंजीयन-प्रसूति 286 में 166 अस्पतालों ने नहीं दिया रिकॉर्ड, प्रमुख सचिव का मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोटिस

बीते कई माह से लगातार रिमाइंडर के बावजूद अफसर जिले में हुई प्रसूतियों का रिकॉर्ड नहीं दे पा रहे है। गर्भवती महिलाओं के पंजीयन और प्रसूति में बड़ा अंतर आ रहा है और सरकार के पास जवाब नहीं है। इंदौर की हालत सबसे ज्यादा बुरी है क्योंकि प्रदेश में सबसे ज्यादा प्रसूति यहीं होती है। इस बार ऐसी लापरवाही से नाराज प्रमुख सचिव ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. भूरे सिंह सेतिया को कारण बताओ सूचना पत्र भी जारी कर दिया है और बेहद तल्ख टिप्पणी करते हुए दस दिन में जवाब मांग लिया है।

पीएस द्वारा जारी नोटिस में अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी देते हुए कहा गया है कि वरिष्ठ कार्यालय के आदेशों को गंभीरता से नहीं लेते हुए काम में उदासीनता रखी जा रही है और मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में काम करने में अक्षम है। यह कदाचरण की श्रेणी में है। सीएमएचओ को दस दिन में इसका जवाब प्रमुख सचिव सह आयुक्त को देना है।

समय सीमा में उत्तर नहीं देने पर एक पक्षीय कार्रवाई की जाएगी। नोटिस में कहा गया है कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से कई बार निर्देश के बावजूद सीएमएचओ ने निजी अस्पतालों की निगरानी गंभीरता से नहीं की। - सिर्फ इंदौर में ही पांच लाख से ज्यादा का अंतर

यूं तो प्रदेश में 15 लाख 91 हजार 624 रजिस्ट्रेशन किए गए हैं लेकिन डिलीवरी का रिकॉर्ड 12 लाख 13 हजार 573 महिलाओं का ही दर्ज है। इंदौर में 49 हजार 968 प्रसूति का रिकॉर्ड ही है। जबकि रजिस्ट्रेशन 67 हजार 363 महिलाओं का किया गया था। बाकी आंकड़ों को गोलमोल किया जा रहा है। निजी अस्पतालों द्वारा जानकारी नहीं देने के नाम पर बचने की कोशिश की जाती है। बार-बार दिए जा रहे इन जवाबों के कारण प्रमुख सचिव ने सख्ती भरा नोटिस जारी किया है।

सम्पत्ति कर में 6.25%, जलकर में 6% की अग्रिम छूट-आज रात 8 बजे तक खुले रहेंगे निगम के कैश काउंटर

शहर के निगम के सभी जोन ऑफिस और मुख्यालय में 30 जून को सुबह 9 से रात 8 बजे तक खुले रहेंगे। इस दौरान सम्पत्ति कर में 6.25% और जल कर में 6त्न की अग्रिम छूट का लाभ मिलेगा।

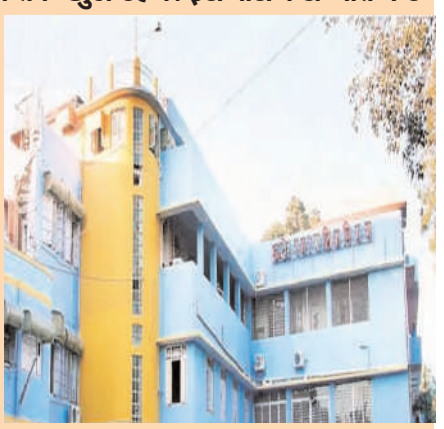

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 की अग्रिम सम्पत्ति कर और जल कर राशि का भुगतान करने वाले करदाताओं की सुविधा के लिए यह सुविधा दी गई है। करदाता सम्पत्ति कर, जल कर और कचरा संग्रहण शुल्क की राशि का भुगतान संबंधित जोन ऑफिस या निगम मुख्यालय में जमा करा सकते हैं। नागरिकों से अपील की गई है कि वे अग्रिम छूट का लाभ लें और शहर के विकास में सहयोग करें।

रियल एस्टेट कारोबारियों से जमा करवाए 7 करोड़ रु.-इंदौर, भोपाल, होशंगाबाद और ग्वालियर में जीएसटी की छानबीन जारी

स्टेट जीएसटी विभाग की इंदौर, भोपाल, होशंगाबाद और ग्वालियर में रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर छानबीन अंतिम दौर में है। इनमें से सात कारोबारी इंदौर के हैं। इन सभी कारोबारियों से अब तक 7 करोड़ रु. जमा कराए जा चुके हैं।दरअसल इन कारोबारियों का मानना था कि नियमों के तहत उन पर जीएसटी लागू नहीं होता। छानबीन के दौरान अधिकारियों ने इन कंपनियों के कर्ताधर्ताओं को जमीन, फ्लैट्स, क्षेत्रफल, भागीदारी, अनुबंध सहित इनसे संबंधित नियम, शर्तें, पेनल्टी आदि के बारे में जानकारी दी। साथ ही आगे की सख्त कार्रवाई के बारे में बताया। इसके बाद इनसे 7 करोड़ रु. से ज्यादा की राशि जमा करवाई गई। अभी यह राशि और बढ़ सकती है। इंदौर में श्री इन्फ्रास्ट्रक्चर (स्कीम 140), वाइब्रेंट देवकॉन (गीता भवन), सार्थक एस्टेट डेवपलर्स (राऊ), बीसीएम हाईट्स की तीन कंपनियों, एम चुघ ग्रुपए, सुनील अग्रवाल एण्ड एसोसिएट्स और मोनार्क डेवपलर्स के ठिकानों पर टीमों ने छानबीन की गई। अब अन्य रियल एस्टेट कारोबारियों के ठिकानों पर सर्चिंग की जाएगी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)